सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, शनिवार, 29 मार्च, 2025
वर्षः 02, अंकः 92, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

हमें संस्थाओं के सम्मान को बचाना चाहिएः महाना

इनसाइड शिक्षिका और दो मासूमों को जिंदा जलाने वाले सिरफिरे... Pg07

Pg12

वायुसेना के इंजीनियर की घर पर गोली मारकर हत्या

सुबह-सुबह दहला प्रयागराज, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

खड़े हुए सवाल

- हाई सिक्योरिटी इलाके में रहती है 24 घंटे कड़ी सुरक्षा।
- हमलावर कॉलोनी की बाउंड्री पार करके कैसे पहुंचा घर?

सेंट्रल एयर कमांड कैंपस में मर्डर

» प्रयागराज, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के पूरामुफ्ती थाने के एयरफोर्स कॉलोनी में शनिवार की सुबह वायुसेना के चीफ सिविल इंजीनियर एस एन मिश्रा (51) की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वह अपने घर के कमरे में सो रहे थे। पुलिस के अनुसार, किसी ने खिड़की खटखटाई और जैसे ही मिश्रा ने खिड़की खोली अपराधी ने उन्हें गोली मार दी और फरार हो गया। बमरौली के एयरफोर्स कॉलोनी में चीफ इंजीनियर की हत्या के बाद हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।

पूरामुफ्ती थाने के प्रभारी मनोज सिंह ने बताया कि शनिवार को भोर में भारतीय वायु सेना के सिविल इंजीनियर एस एन मिश्रा अपने घर पर कमरे में सो रहे थे, तभी किसी ने खिड़की खटखटाई। जैसे ही मिश्रा ने खिड़की खोली तो अज्ञात व्यक्ति ने उन पर गोली चला दी। उन्होंने बताया कि गोली उनके सीने में लगी और वह घायल हो गए। फौरन उन्हें सेना के अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि मिश्रा के परिवार में उनकी पत्नी और बेटा साथ रहते हैं, जबकि बेटी लखनऊ में पढ़ती है। गोली की आवाज सुनकर दूसरे कमरे में सो रहे परिवार के अन्य लोग जाग गए। बाहर आकर देखा तो एसएन मिश्रा लहूलुहान पड़े थे। घर वालों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। एसएन मिश्रा को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

डीआईजी अजय पाल ने बताया कि बमरौली एयरफोर्स का हाई सिक्योरिटी इलाका है। यहां 24 घंटे सुरक्षाकर्मियों का पहरा रहता है। चीफ इंजीनियर का घर सेंट्रल एयर कमांड के नार्थ जोन में आता है। ऐसे में हमलावर कॉलोनी की बाउंड्री पार कर उनके घर तक कैसे पहुंचे इसकी जांच हो रही है। सीसीटीवी के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

डीआईजी ने कहा कि पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि चीफ इंजीनियर की किसी से कोई निजी रंजिश तो नहीं थी। साथ ही इस एंगल से भी जांच की जा रही है कि कहीं किसी ठेके को लेकर तो हत्या नहीं की गई। डीआईजी ने बताया कि एसएन मिश्रा ज्वाइंट सेक्रेटरी लेवल के अफसर थे। यह एयरफोर्स में बड़ा और अहम पद होता है। ऐसे में उनकी हत्या के पीछे के कारणों की गहराई से जांच की जा रही है।

आगरा में थम नहीं रहा राणा सांगा पर बवाल

सपा सांसद का पुतला फूंकने के दौरान पुलिस से तीखी झड़प

बयान पर फिर हंगामाः भिड़ गए एबीवीपी के कार्यकर्ता

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

आगरा। राणा सांगा पर विवादित बयान के बाद आगरा में बवाल मचा हुआ है। करणी सेना द्वारा सपा सांसद के घर पर हुए हमले के बाद शनिवार को फिर से मामला गर्मा गया। सांसद आवास से कुछ ही कदमों की दूरी पर प्रदर्शन के लिए जुटे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं से पुलिस की झड़प हो गई। पुलिस ने बैरियर लगाकर उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे लोग बैरियर सहित पुलिस को धकेलते चले गए। इस दौरान पुलिस भी सरेंडर नजर आई।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी ने शनिवार को राजा मंडी कार्यालय से सेंट जॉन्स चौराहे तक सपा सांसद द्वारा राणा सांगा पर दिए गए विवादित बयान को लेकर जुलूस निकाला। जुलूस के दौरान एमजी रोड जमा हो गया। कार्यकर्ता बीच चौराहे पर हंगामा करने लगे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। कार्यकर्ता पुलिसकर्मियों से भिड़ गए। पुलिस के बैरियर भी इस दौरान काम नहीं आए।

पुलिस द्वारा हो रहे विरोध के बीच कुछ कार्यकर्ता इस कदर भड़क गए कि भूल गए कि सामने वर्दी वाले हैं। उनके द्वारा पुलिसकर्मियों से भी अभद्रता कर दी गई। हालांकि किसी तरह से मामले के समय रहते संभाल लिया गया। इसके बाद एबीवीपी ने यहां सपा सांसद रामजीलाल सुमन का पुतला दहन कर जमकर नारेबाजी और हंगामा किया। उनके मार्ग से हटने के बाद एमजीरोड पर यातायात सुचारू हो सका।

दरअसल सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने राणा सांगा पर विवादित बयान दिया था, जिससे राजपूत समुदाय में आक्रोश फैल गया। करणी सेना ने सांसद के आवास पर हमला किया था, जिसके बाद एबीवीपी ने भी प्रदर्शन किया।

तनावपूर्ण माहौल में स्थिति नियंत्रण में

आगरा में स्थिति तनावपूर्ण है, लेकिन पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पुलिस प्रदर्शनकारियों पर नज़र रख रही है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है। सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

आरोपः सांसद के बेटे ने कराया पथराव, 200 लोगों के खिलाफ शिकायत

सपा सांसद रामजी लाल सुमन के आवास पर तोड़फोड़, पथराव के मामले में सांसद के बेटे और पूर्व विधायक रणजीत सुमन के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी गई है। वहीं, पुलिस ने भी अपनी तरफ से एक मुकदमा दर्ज किया है। अब करणी सेना के घायल कार्यकर्ता दीपक सिसौदिया ने शुक्रवार रात हरि पर्वत थाने में रणजीत सुमन और उनके 200 समर्थकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दी।

पापा ने कहा है मारो

आगरा की किरावली तहसील के गांव संथा बहारबती खास निवासी दीपक सिसौदिया ने बताया कि 26 मार्च को दो बजे सांसद के आवास के सामने राणा सांगा को गद्दार बोले जाने के मामले में करणी सेना का शांतिपूर्वक आक्रोश प्रदर्शन चल रहा था। तभी सांसद के बेटे रणजीत सुमन करीब 200 समर्थकों के साथ आए। कहने लगे कि पिताजी से बात हो गई है. हम बताते हैं तुम्हें कि गुंडई क्या होती है। इनको मारो, एक भी जिंदा नहीं जाना चाहिए। दीपक ने बताया कि सांसद आवास की छत खड़े लोगों से रणजीत सुमन ने कहने पर ईंट-पत्थर चलाने लगे।

हमारे घर पर हमला- सुनयोजित षड्यंत्र

राणा सांगा पर विवादित बयान देने के बाद मचे घमासान के बीच सपा के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन अपने आवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने मीडिया कर्मियों से कहा कि प्रदेश में जंगलराज और खुली गुंडई हो रही है। मेरे आवास पर नहीं, पीडीए, दलित और शोषितों पर हमला किया गया है। प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शहर में थे, इसके बाद भी पुलिस प्रशासन की इतनी लचर व्यवस्था थी कि कई थानों से होते हुए लोग बुलडोजर लेकर घर तक पहुंच गए। यह सुनयोजित षड्यंत्र था। जनतंत्र में आवश्यक नहीं है कि आपकी बात से सभी सहमत हों, लेकिन जनतंत्र में विरोध की अभिव्यक्ति के लिए, आप प्रदर्शन कर सकते हैं धरना दे सकते हैं। अखबारों में अपनी बात रख सकते हैं। यह तो अवांछित तत्वों का हमला है मेरे घर पर, मेरे परिवार पर।

फ्रांस के शिक्षाविदों ने किया आरपीएस गौरव इंटरनेशनल का भ्रमण

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। एट पेटल्स प्रोग्राम के तहत गौरव मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल और आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल ने फ्रांस के प्रतिष्ठित मेहमानों का स्वागत किया, जो अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक सहयोग में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को दर्शाता है।

स्कूल ने डॉ. गिलौम कार्पेंटियर (निदेशक, अंतरराष्ट्रीय संबंध और इंजीनियरिंग, एकोल डीइंजीनियर्स, फ्रांस), श्री साकेत सिंह (प्रवेश प्रमुख, फ्रेंको इंडियन ट्रेनिंग सेंटर इन इंजीनियरिंग) और अलीशे (उप-निदेशक, अंतरराष्ट्रीय संबंध और इंजीनियरिंग) का पारंपरिक भारतीय आतिथ्य के साथ स्वागत किया। इस गर्मजोशी भरे स्वागत ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान और शैक्षिक अवसरों से भरपूर एक मीट का आयोजन किया।

फ्रांसीसी डेलिगेशन ने स्कूल छात्रों के साथ कई चुनौतीपूर्ण मुद्दों पर अनुभव साझा किए तथा उनके साथ अपने अनुभवों को बांटा। इस मीट का मुख्य आकर्षण कक्षा छात्रों के साथ एक ज्ञानवर्धक सत्र था। विशिष्ट अतिथियों ने छात्रों को 12 वीं कक्षा के बाद फ्रांस में उपलब्ध करियर अवसरों के बारे में गहन जानकारी प्रदान की। इस संवादात्मक सत्र ने छात्रों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा और व्यावसायिक संभावनाओं पर एक अनूठा दृष्टिकोण दिया।कार्यक्रम के समापन पर आरपीएस गौरव स्कूल और फ्रांसीसी डेलिगेशन के बीच एक एमओयू भी साइन

किया गया। स्कूल की प्रधानाचार्य लकी जैन ने बताया कि एट पेटल्स प्रोग्राम के माध्यम से गौरव मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल और आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल अपने छात्रों को विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लगातार प्रदर्शित कर रहे हैं। जिससे वे वैश्विक भविष्य के लिए तैयार हो सकें।

आरपीएस में धूमधाम से मनाया गया ग्रेजुएशन-डे

» वार्षिक पैरेंट्स-टीचर मीटिंग का भी किया गया आयोजन

» दीप प्रज्वलित कर की गई कार्यक्रम की शुरुआत

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। बिल्हौर मकनपुर रोड़ स्थित आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को ग्रेजुएशन-डे एवं वार्षिक पेरेंट्स टीचर मीटिंग समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओ अभिभावकों और शिक्षकों ने मिलकर इस यादगार दिन को विशेष बनाया। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके बाद स्कूल की छात्र छात्राओं ने सरस्वती वंदना नृत्य, स्वागत गीत समेत कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। जिसकी अभिभावक और टीचरों ने सराहना की।

स्कूल की डायरेक्टर आरती कटियार और प्रिंसिपल श्रीमती लकी जैन ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पुरस्कार वितरण समारोह था, जिसमें पूरे साल अपनी मेहनत और शानदार प्रदर्शन के लिए छात्रों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही बच्चों को उनके बेहतरीन काम के लिए बधाई दी गई और उन्हें भविष्य में भी अच्छा करने के लिए प्रेरित भी किया गया। इस दौरान स्कूल स्टाफ समेत अभिभावक मौजद रहे।

लोकतंत्र का भविष्य पीडीए: विनय यादव

कश्यप समाज के लोगों के बीच पीडीए पंचायत का सपाइयों ने किया आयोजन

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। शुक्रवार को ग्राम पंचायत उड्डा के लहरियापुर में सपाइयों ने कश्यप समाज के लोगों में पीडीए पंचायत का आयोजन किया। सपा नेता बिल्हौर विधान सभा अध्यक्ष विनय यादव के नेतृत्व में पीडीए पंचायत कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस दौरान उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी के पीडीए अभियान के तहत अधिक से अधिक पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यक समाज के लोगों को पार्टी से जोड़ना मुख्य उद्देश्य है।

लोकतंत्र का भविष्य पीडीए है।कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के आदेश पर हम गाँव- गाँव जाकर पीडीए समाज के लोगों तक समाजवादी पार्टी की विचारधारा को पहुँचाकर उन्हें पार्टी की नीतियों से अवगत करा रहे हैं।

बहुत से लोग हमसे जुड़ रहे हैं। कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा पीडीए समाज की लगातार हो रही उपेक्षा से यह समाज मुख्यधारा से कटा रहता है।

इस दौरान कार्यक्रम में देवेन्द्र गौतम पूर्व प्रधान, जगदीश गौतम, गोविंद कश्यप, संदीप कश्यप, सोनू यादव, ओम जी यादव, सौरभ पाल, अंकित चक्रवर्ती, इंद्रेश, कमल यादव, अनिल, राम नरेश, सुरेश कश्यप, राजेन्द्र गौतम, रमेश कश्यप, सुमित यादव,भगत सिंह समेत कई सपाई मौजूद रहे।

लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे तैयार

जल्द शुरू होगा कानपुर लखनऊ एक्सप्रेस–वे

सांसद रमेश अवस्थी ने सोशल मीडिया पर लखनऊ कानपुर एक्सप्रेस-वे की तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा कि हाईवे बनकर तैयार हो चुका है ,जल्दी इसका शुभारंभ हो जाएगा जिससे लखनऊ और कानपुर के बीच दूरी लगभग खत्म हो जाएगी करोड़ो लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

सांसद रमेश अवस्थी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की आत्मीय भेंट

ज्ञान प्रकाश अवस्थी, स्वराज इंडिया

कानपुर/दिल्ली। दिल्ली में कानपुर लोकसभा सांसद श्री रमेश अवस्थी ने भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की। इस मुलाकात में सांसद अवस्थी ने कानपुर के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

इस दौरान सांसद अवस्थी ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को सनातन नव जागरण के महानायक का एक विशेष मोमेंटो भेंट किया, साथ ही उन्होंने स्वयं द्वारा तैयार की गई मन की बात डायरी भी भेंट की।मुलाकात के दौरान सांसद अवस्थी ने प्रधानमंत्री मोदी को कानपुर की बंद पड़ी मिलों की स्थिति और उनके पुनरुद्धार की संभावनाओं से अवगत कराया।

कानपुर की बंद पड़ी मिलों की स्थिति और उनके पुनरुद्धार की संभावनाओं से अवगत कराया

इसके अलावा, उन्होंने अपने लोकसभा क्षेत्र से जुड़े अन्य प्रमुख विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की।सांसद अवस्थी ने बताया कि जब 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम की शुरुआत की थी, तब उन्होंने स्वच्छता के प्रति जागरूकता को विशेष प्राथमिकता दी थी। इसी प्रेरणा से सांसद अवस्थी ने भी स्वच्छता अभियान के तहत कई महत्वपूर्ण कार्य किए, जिनमें देश की पहली स्वच्छता जन जागरूकता यात्रा का नेतृत्व करना, स्वच्छता टोल फ्री नंबर की शुरुआत करना और अन्य विभिन्न अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाना शामिल है।

सांसद अवस्थी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कानपुर के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उनके नेतृत्व में 2025 में कानपुर में कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की जाएंगी, जिससे शहर के नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा और कानपुर का तेजी से विकास सुनिश्चित होगा।

राहत

गर्मी से बचाव की तैयारी में नगर निगम

राहगीरों के लिए लगेंगे पचास वॉटर कूलर और प्याऊ

» सफाई कर्मियों के कार्य का समय बदला

» नगर आयुक्त बोले, प्लानिंग पूरी कर ली गई है

राहुल पाण्डेय, स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम ने भीषण गर्मी को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। चौराहों के चिह्नित किया जा रहा है यहां ग्रीनकवर से ढकने और छायादार बनाए जाने की योजना बनाई जा रही है। राहगीरों की प्यास बूझाने के लिए वॉटर कूलर लगाए जाएंगे। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने बताया कि गर्मी से बचाव के लिए प्लानिंग पूरी कर ली गई है। एडीएम फाइनेंस राजेश कुमार ने बताया कि तहसील से लेकर नगर निगम से 3 फॉर्मेट में रिपोर्ट मांगी गई है। पेयजल आपूर्तिए छायादार स्थान व टैंकर जियो लोकेशन के साथ डिटेल मांगी गई है।

50 जगहों पर लगेंगे वाटर कूलर

गर्मी से बचाव के लिए हैलट, बस स्टैंड, उर्सला, रेलवे स्टेशन समेत करीब 50 जगहों पर वाटर कूलर भी लगाए जाएंगे। वॉटरकूलर को स्थायी लगाए जाएगा जिसका रखरखाव नगर निगम करेगा। कई स्थानों पर प्याऊ भी लगाए जाएंगे, ताकि लोगों को गर्मी में पीने के पानी की कमी न हो। बता दें कि इस बार मौसम विभाग ने पिछले साल के मुकाबले ज्यादा गर्मी पड़ने की संभावना जताई है।

चौराहों पर दी जाएगी वार्निंग

गर्मी से बचाव के लिए लोगों को इस बार चौराहों पर अलर्ट भी दिया जाएगा। इसमें अगले 2 दिनों में तापमान कैसा रहेगा, इसकी जानकारी भी दी जाएगी। स्मार्ट सिटी के तहत चौराहों पर पीए सिस्टम से अलर्ट जारी किया जाएगा। रेड अलर्ट की वार्निंग दो दिन पहले ही अनाउंसमेंट के जरिए दी जाएगी। इसके अलावा कूड़ा गाड़ियों में लगे स्पीकर सिस्टम से भी गर्मी को लेकर अलर्ट दिया जाएगा।

35 चौराहों पर बनेंगे ग्रीनकवर

नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने बताया कि गर्मी से बचाव के लिए प्लानिंग पूरी कर ली गई है। हमारा फोकस रहेगा कि गर्मी में किसी प्रकार की कोई जनहानि न हो। सफाई कर्मियों की शिफ्ट में भी बदलाव किया जा रहा है। अब सुबह पांच से 12 तक कार्य किया जाएगा। टाटमिल, परेड, बड़ा चौराहा, किदवई नगर, विजय नगर, फजलगंज, झकरकटी समेत करीब 30 से 35 चौराहों पर ग्रीनकवर किया जाएगा। इसमें एडवाइटजिंग एजेंसी की भी मदद ली जाएगी।

तपेश्वरी मंदिर में श्रद्धालुओं को ना हो कोई परेशानी

पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं के देखें इंतजाम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शनिवार को पुलिस उपायुक्त पूर्वी श्रवण कुमार सिंह, अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा थाना फीलखाना क्षेत्र अंतर्गत मां तपेश्वरी मंदिर में चैत्र नवरात्रि पूजा की तैयारियों का निरीक्षण किया गया । पूजा-अर्चना की एवं मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित कर्मचारियों को मंदिर में व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

नवरात्रि के दौरान मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए व पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित करने को कहा मंदिर और व्यस्त स्थानों पर भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष प्रबंध करने पर जोर दिया। इसमें प्रवेश और निकास मार्गों को व्यवस्थित करना और ट्रैफिक मैनेजमेंट पर ध्यान देना शामिल था नवरात्रि और अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए स्थानीय नागरिकों से सहयोग की अपील की गई मौके पर ?प्रभारी निरीक्षक फीलखाना भी मौजूद रहे।

क्लास एक में एडमिशन की नई उम्र सीमा लागू

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। परिषदीय विद्यालयों में नया सत्र 2025-26 एक अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। इन स्कूलों में अब ऐसे बच्चों का भी नामांकन कक्षा एक में हो सकेगा जिनकी आयु 31 जुलाई 2025 को 6 वर्ष पूर्ण हो जाएगी। इसके पहले 1 अप्रैल 2025 तक छह वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले बच्चों का ही नामांकन किए जाने का निर्देश था। इस सम्बंध में शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने सभी जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि शैक्षिक सत्र 2025-26 में कक्षा एक में ऐसे छात्र-छात्राओं का नामांकन किया जाएगा जिनकी आयु 31 जुलाई 2025 तक या इससे पहले छह वर्ष हो रही हो।

परिषदीय स्कूलों में बच्चों के एडमिशन की उम्रसीमा में 4 महीने की मिली छूट

शासन के इस निर्णय का उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ ने स्वागत किया है। संघ के अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि विभाग का अच्छा निर्णय है। इससे उन बच्चों का नामांकन हो सकेगा जिनकी उम्र जुलाई में 6 वर्ष पूरी होगी। इससे उनको उम्र सीमा में चार माह की छूट मिल जाएगी। पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रवेश के लिए 1 अप्रैल तक छह साल की आयु पूरी होना अनिवार्य था। इससे पिछले सत्र में कई बच्चों का नामांकन नहीं हो सका था। शिक्षकों और अभिभावकों की मांग पर शिक्षा मंत्रालय से चर्चा के बाद इस नियम में आंशिक बदलाव किया गया है। अब यह नियम स्थायी रूप से लागू रहेगा। इस बदलाव से नए सत्र में नामांकन बढ़ने की उम्मीद है। आदेश के बाद ऐसे अभिभावक भी अत्यंत प्रसन्न हैं जिनके बच्चों की आयु 31 जुलाई 2025 को 6 वर्ष पूर्ण होगी। आदेश के तहत आयु के पुनर्निधारण के कारण तय आयु सीमा 6 इस सत्र में तीन-चार माह का अगर अन्तर ही रह जाता है।

अर्थात एक अप्रैल से 31 जुलाई के मध्य 6 वर्ष की आयु पूर्ण करने की दशा में कोई बच्चा प्रवेश से वंचित हो रहा है तो उन्हें निर्धारित आयु में शिथिलता प्रदान करते हुए शैक्षिक सत्र के प्रारम्भ में ही प्रवेश की सुविधा अनुमन्य किए जाने की अनुमति सरकार ने प्रदान कर दी है।इसका उल्लेख शासनादेश में भी करते हुए लिखा गया है कि अप्रैल में जिन बच्चों का कक्षा एक में प्रवेश हुआ है ।

और जिनकी आयु 5 साल 8 माह से 6 वर्षों के बीच है उन्हें कक्षा एक में अध्ययन की अनुमति पूर्व के वर्षों की भांति प्रदान की जाएगी।

आदेश निर्गत होने के बाद होने वाले नामांकन में यह सुनिश्चित कराया जाएगा कि कक्षा एक में उन्हीं बच्चों का नामांकन हो जो उस शिक्षा सत्र के 31 जुलाई तक 6 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं।

सम्पादकीय

म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप से तबाही

शुक्रवार को म्यांमार केंद्रित 7.7 तीव्रता वाले भूकंप ने यहां और थाईलैंड में भारी तबाही मचाई। भूकंप का असर करीब चार मिनट तक रहा। अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार बारह मिनट के अंतराल के बाद भूकंप का दूसरा झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 6.4 थी। भूकंप का केंद्र म्यांमार के सागाइंग से 18 किमी दक्षिण में था। भूकंप से म्यांमार में भारी तबाही दिखी और पुल व बिल्डिंगें ताश के पत्तों की तरह बिखरती दिखी। म्यांमार में तबाही इतनी ज्यादा बतायी जा रही है कि सैन्य प्रशासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की गुहार लगायी है। इतना ही नहीं भूकंप के झटकों से म्यांमार से करीब एक हजार किमी दूर स्थित थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में कई भवनों के ध्वस्त होने व सड़कें फटने की खबरें हैं। बैंकॉक में एक तीस मंजिला बिल्डिंग धराशायी हो गई। आशंका है कि इसमें अभी 43 मजदूर फंसे हुए हैं। भूकंप के झटकों से सहमे लोग मदद की गुहार लगाते रहे। घायल लोगों से अस्पताल भरे नजर आए। दीवारें फटने, इमारतों के गिरने से लोग दहशत में दिखे। शुरुआत आंकड़ों के अनुसार म्यांमार में 144 लोगों के मरने व सैकड़ों लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। लेकिन अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार मरने वालों का आंकड़ा हजारों तक पहुंच सकता है। भूकंप के केंद्र के निकट स्थित यंगून ही नहीं म्यांमार के अनेक शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां छह प्रांतों में आपात स्थिति घोषित हुई है। इसके अलावा चीन के कुछ हिस्सों व थाइलैंड में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक तीस मंजिला इमारत के धराशायी होने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कई जगहों में इमारतों के रूफटॉप पर बने स्वीमिंग पूल का पानी सड़कों पर बहता नजर आया। भयभीत लोगों के चीखने से मंजर भयावह नजर आ रहा था। लोग मदद की गुहार लगा रहे थे।दरअसल, थाईलैंड भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील नहीं है, लेकिन म्यांमार में आने वाले भूकंप के झटकों का असर यहां दिखता है। भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील न होने के कारण थाईलैंड में भवन निर्माण में भूकंपरोधी तकनीक का उपयोग नहीं होता।जिसकी वजह से ज्यादा नुकसान की आशंका जतायी जा रही है। अस्पतालों में उपचार कराने वालों की लंबी कतारें देखी गई हैं। वहीं 2021 से सैन्य शासन के अधीन और गृहयुद्ध से जूझता म्यांमार इस प्राकृतिक आपदा के बाद हताश नजर आया। इंटरनेट का प्रयोग सीमित होने से वहां की स्थिति जानने में दिक्कत आ रही है। पहली बार सैन्य शासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की अपील की है। प्रधानमंत्री ने भूकंप पीड़ितों की मदद के लिये अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई को कहा है। म्यांमार के दूसरे बड़े शहर मांडले से भी ऐतिहासिक रॉयल पैलेस व अन्य बिल्डिंगें गिरती नजर आई हैं।

टीआरपी की भेड़चाल से हुआ अन्याय

क्षमा शर्मा

किसी लड़की की किसी से दोस्ती हो और वह लड़का आत्महत्या कर ले, तो जब तक प्रमाण लड़की के खिलाफ न हों मीडिया को इस तरह शिकारी की भूमिका निभानी नहीं चाहिए कि लड़की का जीवन ही बर्बाद हो जाए। न्याय की बात टीआरपी को एक किनारे रखकर की जाए तो बेहतर है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के केस में सीबीआई ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। यानी इस मामले को अब बंद कर दिया गया है। आपको याद होगा कि सुशांत ने आत्महत्या की थी और उनके घर वालों ने फिल्मों में पहचान बनाने आई और सुशांत की मित्र रिया चक्रवर्ती को भी अभियुक्त बनाया था।

उसे सत्ताईस दिन जेल में भी रहना पड़ा था। जबकि सीबीआई को रिया के खिलाफ कोई सुबूत नहीं मिले। यह हमारी व्यवस्था की सफलता है कि उन्होंने एक निरपराध लड़की को कम से कम अपराध मुक्त किया। वरना तो पता नहीं इस लड़की और उसके परिवार का क्या होता। पच्चीस साल की एक लड़की ने इस मामले का सामना कैसे किया होगा, यह सोचने की बात है।

इस लड़की पर आरोप क्या लगे थे, इसे अपराधी बना दिया गया था। चार-चार एजेंसियां इसके पीछे लगी थीं। रिया के घर के बाहर मीडिया का भारी जमावड़ा कई दिनों तक लगा रहा। हर कोई ऊंची से ऊंची आवाज में उसे अपराधी साबित करने पर तुला था। आरोप लगने भर से उसे अपराधी मान लिया गया था। चैनल्स के लोग बाहर खड़े किस-किस तरह के अपशब्द बोल रहे थे। अरे रिया बाहर निकल। कहां छिपी है। सुशांत को खा गई। उसके पैसे के लिए उसे मार डाला। बहुत-सी तो ऐसी बातें जो लिखी भी नहीं जा सकतीं। लेकिन सरेआम बोलने वालों को कोई शर्म नहीं आ रही थी। यह देखकर भी हैरत होती है कि कोई भी स्त्रीवादी उस समय रिया के समर्थन में नहीं बोला था। न ही कोई उसकी मदद के लिए सामने आया था। महिला आयोग भी चुप्पी साधे रहे थे। क्या रिया लड़की नहीं थी। उसके कोई अधिकार भी नहीं थे। रिया के पिता जो सेना में डाक्टर रहे हैं, उन्होंने उस वक्त कहा भी था कि एक मध्यवर्गीय परिवार को नष्ट कर दिया गया है। उसकी मां बीमार पड़ गई थीं। उस बहुमंजिली सोसायटी में रहने वाले अड़ोसी-पड़ोसी की नजरों में उसका सम्मान नष्ट कर दिया गया था। रही-सही कसर इन आरोपों ने भी पूरी कर दी थी कि सुशांत को हाल ही में पंद्रह करोड़ रुपये मिले थे। शायद रिया ने वे भी हड़प लिए। उस पर ड्रग सप्लाई करने के भी आरोप लगाए गए थे।चारों तरफ से इतने हमले हो रहे थे। जो फिल्में रिया ने साइन की थीं, उनसे उसे निकाल दिया गया था। वह जैसे इस निर्मम दुनिया का सामना करने के लिए अकेली थी। अकेली ही उसे उन सभी आरोपों का सामना करना पड़ रहा था जिनके लिए वह जिम्मेदार भी नहीं थी। बाद में यह भी पता चला था कि सुशांत ने जो पंद्रह करोड़ रुपये मिलने की बात अपने घर वालों को बताई थी, वे रुपये कभी उसके अकाउंट में आए ही नहीं थे। कई चैनलों ने हफ्तों तक इस मामले को तूल दिया था और बहुत हल्ला मचाया था। सुशांत की पूर्व महिला मित्र भी मीडिया में आकर रात-दिन बयान दे रही थी कि वह आत्महत्या तो कर ही नहीं सकता। वह इतना कमजोर लड़का नहीं था। हालांकि, यह बात भी सामने आई थी कि सुशांत को गहरा अवसाद था।

पारंपरिक स्रोतों का संरक्षण और प्रबंधन जरूरी

जल संकट

पंकज चतुर्वेदी

यदि हम पुराने जलस्रोतों की स्थिति सुधारें और जल का सही प्रबंधन करें, तो पानी की कमी का समाधान किया जा सकता है। भूजल पर निर्भरता लंबे समय तक नहीं हो सकती, इसलिए नदी-तालाबों को उनकी प्राकृतिक स्थिति में लौटाना और उनका संरक्षण करना आवश्यक है।यह कैसी विडंबना है कि जिस शहर के बीच से सदानीरा यमुना जैसी नदी लगभग 27 किलोमीटर बहती हो, वही हर साल चैत बीतते ही पानी की किल्लत के लिए कुख्यात हो जाता है। दिल्ली की पिछली सरकार अपने जल स्रोतों की परवाह साल भर नहीं करती थी और जब पानी के लिए आम लोग हलकान होते हैं, तो हरियाणा पर आरोप लगाकर सुप्रीम कोर्ट का रुख कर लेती थी।

यह पिछले आठ सालों से हर बार हो रहा था। जब दिल्ली में यमुना लबालब होती है, तो यहां के नाले और कारखाने उसमें इतना जहर घोल देते हैं कि नदी सारे रास्ते हांफती रहती है। और जब पानी का संकट खड़ा होता है, तो तभी नदी की याद आती है।यह हाल केवल दिल्ली का नहीं, बल्कि देश के अधिकांश बड़े शहरों का है। बेंगलुरु, जो कभी तालाबों और जलस्रोतों से संपन्न था, आज 'केपटाउन' जैसी जल संकट की चेतावनी से जूझ रहा है। मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति बन जाती

है। मुंबई की पांच नदियां अब नाले में बदल चुकी हैं, और बरसात का पानी अब समुद्र में मिल जाता है। जरूरत के समय लोग भूजल और टैंकर के जरिए जैसे-तैसे जिंदगी काटते हैं। हैदराबाद, चेन्नई, इंदौर, पटना और श्रीनगर जैसे शहरों में भी जल संकट गहरा रहा है, हालांकि नक्शे पर ये शहर नदी, तालाब और नहरों से जुड़े हुए हैं।राजधानी दिल्ली की 31 प्रतिशत आबादी को स्वच्छ पेयजल उनके घर के नल से नहीं मिल पाता। हजारों टैंकर हर दिन कालोनियों में जाते हैं, और लोगों के लिए पानी जुटाने के लिए भूमिगत जलस्तर को इतनी गहराई तक खोदा गया है कि सरकारी भाषा में कई इलाके अब 'डार्क जोन' के रूप में पहचाने गए हैं। दिल्ली के नजदीक गाजियाबाद, जो यमुना-हिंडन के त्रिभुज पर स्थित है, की अधिकांश कालोनियां पानी की भारी किल्लत से जूझ रही हैं। जिन तालाबों में पानी जमा हो सकता है और जो जीवन की उम्मीद बन सकते हैं, उनमें से तीन-चौथाई जल निकायों का इस्तेमाल सिर्फ सीवर की गंदगी बहाने के लिए होता है।तालाबों को नष्ट करने का खमियाजा समाज ने किस तरह भुगता, इसकी सबसे बड़ी मिसाल बेंगलुरु है। यहां समाज, अदालत और सरकार सभी जमीन माफिया के सामने असहाय नजर आते हैं। यदि हम शहर की जल स्थिति पर नजर डालें तो यह अस्वाभाविक-सा लगता है कि वहां जरूरत का महज 80 प्रतिशत जल ही आपूर्ति हो पा रहा है। एक करोड़ 40 लाख की आबादी वाले महानगर में हर कदम पर जल स्रोत हैं। लेकिन अंधाधुंध शहरीकरण और उसके लालच में पारंपरिक जलस्रोतों और हरियाली का अगर यही हाल रहा, तो बेंगलुरु को केपटाउन बनने से कोई नहीं रोक सकता। सरकारी रिकार्ड के मुताबिक नब्बे साल पहले बेंगलुरु शहर में 2789 केरे यानी झील हुआ करती थीं। सन? साठ आते-आते इनकी संख्या घटकर 230 रह गई। वर्ष 1985 में शहर में केवल 34 तालाब बचे और अब इनकी संख्या तीस तक सिमट गई है। जल निधियों की उपेक्षा का ही परिणाम है।

पावन दिनों में देवी की आराधना से प्राप्त होते हैं मनोवांछित फल

नवरात्रि पर्व के दौरान पूरा देश माता की भक्ति में डूब जाता है। माता के मंदिरों में इन 9 दिनों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती है और जगह-जगह माता की पूजा कर प्रसाद बांटा जाता है। इस दौरान विभिन्न जगहों पर छोटे बड़े स्तर पर माता का जागरण भी कराया जाता है।

नवरात्रि पर्व शक्ति की प्रतीक मां दुर्गा की उपासना का पर्व है। नौ दिनों तक मनाये जाने वाले इस पर्व में प्रत्येक दिन मां दुर्गा के नौ रूपों- श्री शैलपुत्री, श्री ब्रह्मचारिणी, श्री चंद्रघंटा, श्री कूष्मांडा, श्री स्कंदमाता, श्री कात्यायनी, श्री कालरात्रि, श्री महागौरी और श्री सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। कुछ लोग पूरे नवरात्रि का व्रत रखते हैं तो कुछ लोग इस पर्व के पहले और आखिरी दिन ही व्रत रखते हैं। व्रतियों को चाहिए कि नवरात्रि के पहले दिन प्रातःकाल उठकर स्नान आदि करके मंदिर में जाकर माता के दर्शन कर पूजा करें या फिर घर पर ही माता की चौकी स्थापित करें।

नवरात्रि पूजन विधि

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से शुरू होने वाले वासन्तिक नवरात्रि के पहले दिन यानि प्रतिपदा के दिन घट की स्थापना करके तथा नवरात्रि व्रत का संकल्प करके पहले गणपति तथा मातृक पूजन करना चाहिए फिर पृथ्वी का पूजन करके घड़े में आम के हरे पत्ते, दूब, पंचामूल, पंचगव्य डालकर उसके मुंह में सूत्र बांधना चाहिए। घट के पास गेहूं अथवा जौ का पात्र रखकर वरूण पूजन करके मां भगवती का आह्वान करना चाहिए। विधिपूर्वक मां भगवती का पूजन तथा दुर्गा सप्तशती का पाठ करके कुमारी पूजन का भी माहात्म्य है। कुमारियों की आयु एक वर्ष से 10 वर्ष के बीच ही होनी चाहिए। अष्टमी तथा नवमी महातिथि मानी जाती है। नवदुर्गा पाठ के बाद हवन करके ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए।

माता की चौकी की स्थापना

माता की पूजा करने के बाद दुर्गा देवी की जय हो का उच्चारण कर कथा सुनें। माता की चौकी को स्थापित करने में जिन वस्तुओं की आवश्यकता पड़ती है उनमें गंगाजल, रोली, मौली, पान, सुपारी, धूपबत्ती, घी का दीपक, फल, फूल की माला, बिल्वपत्र, चावल, केले का खम्भा, चंदन, घट, नारियल, आम के पत्ते, हल्दी की गांठ, पंचरत्न, लाल वस्त्र, चावल से भरा पात्र, जौ, बताशा, सुगन्धित तेल, सिंदूर, कपूर, पंच सुगन्ध, नैवेद्य, पंचामृत, दूध, दही, मधु, चीनी, गाय का गोबर, दुर्गा जी की मूर्ति, कुमारी पूजन के लिए वस्त्र, आभूषण तथा श्रृंगार सामग्री आदि प्रमुख हैं।

नवरात्रि पर्व के दौरान पूरा देश माता की भक्ति में डूब जाता है। माता के मंदिरों में इन 9 दिनों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती है और जगह-जगह माता की पूजा कर प्रसाद बांटा जाता है। इस दौरान विभिन्न जगहों पर छोटे बड़े स्तर पर माता का जागरण भी कराया जाता है। देश भर के मंदिरों में इस दिन मां भगवती का पूरा श्रृंगार कर उनकी पूजा की जाती है। नवरात्रि पर्व से जुड़ी कुछ परम्पराएं और नियम भी हैं जिनका श्रद्धालुओं को अवश्य पालन करना चाहिए। इन नौ दिनों में दाढ़ी, नाखून व बाल काटने से परहेज करना चाहिए। इन दिनों घर में लहसुन, प्याज का उपयोग भोजन बनाने में नहीं करना चाहिए। लोगों को छल कपट करने से भी बचना चाहिए।

जयजननी जगदीश्वरी तू जग की प्रतिपाल..!

30 मार्च से शुभ संयोग में शुरू होगा हिंदू नववर्ष 2082

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास के अनुसार इस वर्ष आकाशीय मंडल में 2082 संवत की यदि मंत्रिमंडल की बात करें, संवत के राजा और मंत्री सूर्य होंगे। वहीं अन्न-धन, खनिज व धातु के स्वामी बुध, खाद्य पदार्थों के स्वामी मंगल होंगे।

नववर्ष 2082

- डॉ अनीष व्यास

नव वर्ष हिंदू धर्म में विक्रम संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि से आरंभ होता है। इस बार 30 मार्च 2025 से नव विक्रम संवत्सर 2082 आरंभ होगा। साथ ही इस दिन से ही चैत्र नवरात्रि भी आरंभ होतीं हैं। इस नवसंवत्सर 2082 को सिद्धार्थ नामक संवत्सर के रूप में जाना जाएगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा में रविवार 30 मार्च को नए संवत्सर 2082 का आरंभ ग्रह-गोचरों के शुभ संयोग में होगा। इस दिन शाम 6:14 बजे तक रेवती नक्षत्र फिर अश्विनी नक्षत्र विद्यमान रहेगा। मीन लग्न सुबह 06:26 बजे तक रहेगा फिर मेष लग्न का आरंभ होगा। मीन राशि में इस दिन पांच ग्रह के मौजूद होने से पंचग्रहीय योग बनेगा। मीन राशि में सूर्य, बुध, राहु, शनि और शुक्र ग्रह विद्यमान होंगे। केतु कन्या राशि में, देवगुरु बृहस्पति वृष राशि में तथा मंगल मिथुन राशि में रहेंगे। हालांकि अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार नए साल की शुरुआत 01 जनवरी से होती है, लेकिन नया हिंदू वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होती है और सभी व्रत-त्योहार हिंदू कैलेंडर की तिथियों के आधार पर ही मनाया जाता है। इस बार नया हिंदू नववर्ष विक्रम संवत बहुत ही खास रहेगा।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस वर्ष आकाशीय मंडल में 2082 संवत की यदि मंत्रिमंडल की बात करें, संवत के राजा और मंत्री सूर्य होंगे। वहीं अन्न-धन, खनिज व धातु के स्वामी बुध, खाद्य पदार्थों के स्वामी मंगल होंगे। वही सेनापति का कार्यभार शनि संभालेंगे और संवत्सर के वाहन घोड़ा होगा। इस विक्रम संवत का नाम सिद्धार्थ होगा। इस सिद्धार्थ संवत के राजा- सूर्य, मन्त्री- सूर्य, सस्येश- बुध, दुर्गेश- शनि, धनेश- मंगल, रसेश- शुक्र, धान्येश- चन्द्र, नीरसेश- बुध, फलेश- शनि, मेघेश- सूर्य होंगे। रविवार 30 मार्च 2025 को शाम 6:14 बजे तक रेवती नक्षत्र फिर अश्विनी नक्षत्र विद्यमान रहेगा। मीन लग्न सुबह 06:26 बजे तक रहेगा फिर मेष लग्न का आरंभ होगा। मीन राशि में इस दिन पांच ग्रह के मौजूद होने से पंचग्रहीय योग बनेगा। मीन राशि में सूर्य, बुध, राहु, शनि और शुक्र ग्रह विद्यमान होंगे। केतु कन्या राशि में, देवगुरु बृहस्पति वृष राशि में तथा मंगल मिथुन राशि में रहेंगे।

- **नव संवत्सर विक्रम संवत - 2082**
- **नव संवत्सर आरंभ - 30 मार्च 2025**
- **प्रतिपदा तिथि आरंभ - 29 मार्च शाम 4:27 बजे से**
- **प्रतिपदा तिथि समाप्त - 30 मार्च दोपहर 12:49 बजे तक**

हिंदू नववर्ष पर शुभ योग

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि रविवार 30 मार्च 2025 को शाम 6:14 बजे तक रेवती नक्षत्र फिर अश्विनी नक्षत्र विद्यमान रहेगा। मीन लग्न सुबह 06:26 बजे तक रहेगा फिर मेष लग्न का आरंभ होगा। मीन राशि में इस दिन पांच ग्रह के मौजूद होने से पंचग्रहीय योग बनेगा। मीन राशि में सूर्य, बुध, राहु, शनि और शुक्र ग्रह विद्यमान होंगे। केतु कन्या राशि में, देवगुरु बृहस्पति वृष राशि में तथा मंगल मिथुन राशि में रहेंगे।

राजा और मंत्री सूर्य

भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि संवत के राजा और मंत्री सूर्य होंगे। वहीं अन्न-धन, खनिज व धातु के स्वामी बुध, खाद्य पदार्थों के स्वामी मंगल होंगे। वही सेनापति का कार्यभार शनि संभालेंगे और संवत्सर के वाहन घोड़ा होगा। इस विक्रम संवत का नाम सिद्धार्थ होगा। इस सिद्धार्थ संवत के राजा- सूर्य, मन्त्री- सूर्य, सस्येश- बुध, दुर्गेश- शनि, धनेश- मंगल, रसेश- शुक्र, धान्येश- चन्द्र, नीरसेश- बुध, फलेश- शनि, मेघेश- सूर्य होंगे।

भैरव प्रश्न

जयजननी जगदीश्वरी तू जग की प्रतिपाल। बियासी संवत् फल कहो श्रीमुख से सब हाल।।

भवानी उत्तर

सुनले भैरव प्रेम से मैं समझायुं तोय। राजामंत्री देखतां मध्यम सवंत होय।।

सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये चार अधिकारी। राजा-मंत्री मेध का रवि ने लिया है भार।।

धान्याधिप शशिराज है रसाधिप है भूगुदेव। मंगल धन के देव है दुर्ग-फल के शनिदेव।।

एक धन की हानि करे दुर्ग करे शनिभेद। राजा और शनि की नहीं बने दूजा कर दे छेद।।

प्रजा सुखी मंगल करे रोहिणी संधि बास। समय निवासो वैश्यपर संवर्त बंधाये आस।।

रस नीरस और सस्य की जग में हो भरमार। जलतृण के दो स्तम्भ है प्रजा में जै जै कार।।

सिद्धार्थी सम्वत्सर का फल

सिद्धार्थवत्सरे भूयो ज्ञानवैराग्ययुक् प्रजाः।
सकलावसुधाभातिबहुसस्यार्घवृष्टिभिः ।।

भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि सिद्धार्थी अथवा सिद्धार्थ वर्ष में प्रजा ज्ञान, वैराग्य से युक्त होती है। सम्पूर्ण पृथ्वी पर प्रसन्नता रहती है और जल-अन की वृद्धि होती है। प्रतिकूल जलवायु के बाद भी धान्यादि का श्रेष्ठ उत्पादन होगा।

राजा रवि का फल

भविष्यवक्ता डॉ अनीष व्यास ने बताया कि अल्पवृष्टि, धान्य फल दुग्ध का उत्पादन कम होगा। जनता को पीड़ा, चोर-अशि की बाधा व शासकों को कष्ट होगा। दुधारू पशुओं की क्षमता में कमी आयेगी। धान्य, गन्ना आदि फसलों, वृक्षों पर फल-पुष्पादि का उत्पादन कम होगा। जनता में क्रोध, उत्तेजना, कलह व नेत्र विकार बढ़ेंगे।

यथाः- सूर्ये नृपे स्वल्पजलाच मेघाः स्वल्पं धान्यमल्पफलाक्ष वृक्षाः।

स्वस्पं पयो गोषु जनेषु पीड़ा चौराग्निबाधा निधनं नृपाणाम् ।।

मन्त्री रवि का फल

कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि जनता में रोग, चोर व राज का भय होगा। अन्न का प्रचुर उत्पादन, गम्भीर रोगों से जनता अस्त होगी। पेयजल, गुड़, दूध, तेल, ईख, फल, सब्जियों, चीनी इत्यादि रसयुक्त वस्तुओं की कमी से इनके भाव बढ़ेंगे। जनता मंहगाई से त्रस्त होगी।

यथाः- नृपभयं गदतोऽपि हि तस्करात्प्रचुर धान्य धानानिमहीतले।

रसचयं हि समर्पतमं तदा रविरमात्यपदं हि समागतः ।।

भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि जिस वर्ष राजा व मन्त्री दोनों पद एक ही ग्रह को मिल जाये तो उस वर्ष राजनेता निरंकुश होकर मनमानी करते हैं। अग्निकाण्ड, भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप व सामाजिक उपद्रव से जनता त्रस्त होती है। वर्षा की कमी से गर्मी का प्रकोप बढ़ेगा। जनाक्रोश की घटनाएं बढ़ेगी। नेताओं के मनमुटाव बढ़ेंगे। अनाज, फलों, सब्जियों व धान्यादि की पैदावार कम होगी। चोरी, डकैती, लूटमार, अग्निकाण्ड, गम्भीर रोग, नेत्र-विकार, पित्तजन्य रोग से जनता त्रस्त होगी। अनाज आदि के भाव बढ़ेंगे, जिससे मुनाफाखोर लाभान्वित होंगें।

हिन्दू कलेंडर 2082 के अनुसार मास

1. चैत्र मास, 2. वैशाख मास, 3. ज्येष्ठ मास, 4. आषाढ़ मास, 5. श्रावण मास 6. भाद्रपद मास 7.आश्विन मास, 8. कार्तिक मास 9. मार्गशीर्ष मास 10. पौष मास, 11. माघ मास, 12. फाल्गुन मास।

शिक्षिका और दो मासूमों को जिंदा जलाने वाले सिरफिरे को उम्र कैद

» न्यायालय ने उपरोक्त मामले के दोषी को 500000 लाख रुपए के अर्थ दंड से भी किया है दंडित

पान मसाला खाकर इधर-उधर थूकने से मना करने के बाद 4 वर्ष पहले जनपद कानपुर देहात के अकबरपुर कस्बा के नेहरू नगर में एक किराएदार ने उपरोक्त घटना को दिया था अंजाम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर कस्बा के नेहरू नगर में दिल दहलाने वाले मामले में एक शिक्षिका व उसके दो मासूम बच्चों की जलाकर हत्या कर दी गई थी। मामले में शुक्रवार को माननीय न्यायालय ने इस मामले के आरोपी को दोष सिद्ध करते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है.इसके साथ ही न्यायालय ने उसे 500000 रुपए के अर्थ दंड से भी दंडित किया है दोष सिद्ध आरोपी प्रयागराज के थाना सराय क्षेत्र के प्यारेपुर का निवासी है.

अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के वार्ड नंबर 14 नेहरू नगर निवासी अकबरपुर नगर पंचायत के पूर्व सभासद जितेंद्र यादव के मकान में अब से करीब 4 वर्ष पहले तत्कालीन समय में अकबरपुर कोतवाली में नियुक्त महिला सिपाही उषा देवी अपने पति अवनीश प्रजापति के साथ किराए पर रह रही थी.. किराएदार अवनीश प्रजापति उपरोक्त मकान में पान मसाला खाकर इधर-उधर थूक करके गंदगी करके फैलाता था जिसको लेकर मकान मालिक जितेंद्र यादव की शिक्षिका पत्नी अर्चना विरोध जताती थी... इस बात को लेकर कई बार अवनीश प्रजापति एवं अर्चना के बीच विवाद भी हुआ था इसी बात को लेकर अवनीश उनसे खुन्नस मानता था... 28 फरवरी 2021 को जब अर्चना अपने पांच वर्ष की पुत्री अक्षिता हुआ 15 माह के पुत्र के साथ किचन में खाना बना रही थी इस समय किराएदार अवनीश प्रजापति ने अर्चना और उसके बच्चों पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी थी इसके बाद वह भाग गया था. इलाज के दौरान अर्चना एवं दोनों मासूम बच्चों की मौत हो गई थी इस मामले में जितेंद्र यादव की तहरीर पर अकबरपुर थाने में अवनीश प्रजापति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ था पुलिस ने इस मामले की विवेचना करते हुए अर्चना के मृत्यु कालिक बयान व अन्य साक्ष्यो के आधार पर 3 मार्च 2023 को उपरोक्त मामले के आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेजा था इसके साथ ही आरोप पत्र भी न्यायालय में दाखिल किए थे उपरोक्त मामले की सुनवाई माननीय अपर जिला जज प्रथम श्री रजत सिन्हा की अदालत में चल रही थी इस मामले में बुधवार को अदालत ने सुनवाई करते हुए आरोपी को इस अपराध में दोष सिद्ध कर दिया था तथा सजा के बिंदु पर माननीय न्यायालय ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए आरोपी अवनीश प्रजापति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है... साथ ही साथ माननीय न्यायालय ने उपरोक्त मामले के दोषी को 500000 रुपए के अर्थ दंड से भी दंडित किया है वही अर्थ दंड की आधी धनराशि मृतक अर्चना के पति जितेंद्र यादव को दिए जाने के भी माननीय न्यायालय ने आदेश दिए हैं.... सहायक शासकीय अधिवक्ता प्रदीप कुमार पांडेय ने बताया कि उपरोक्त घटना के बाद गंभीर रूप से जली अर्चना ने इस दौरान अस्पताल में तहसीलदार के समक्ष बयान दिए थे जिसमें उसने अवनीश प्रजापति द्वारा ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा देने का कथन किया था जो इस घटना का बेहद अहम साक्ष्य सिद्ध हुआ वहीं इस मामले में अभियोजन गवाहों ने भी घटना का समर्थन करते हुए अपने बयान अदालत में दर्ज कराए थे जो आरोपी को सजा दिलाने का मुख्य आधार बने वहीं मृतक शिक्षिका के पति एवं ससुर भी माननीय न्यायालय द्वारा उपरोक्त मामले में निर्णय दिए जाने के दौरान माननीय न्यायालय में उपस्थित रहे आरोपी को सजा सुनाए जाने के बाद मृतक शिक्षिका अर्चना के पति जितेंद्र यादव ने कहा कि तीन मौतें हुई थी आरोपी को मृत्यु दंड की सजा मिलनी चाहिए थी इस फैसले को लेकर वह माननीय उच्च न्यायालय जाएंगे.

जनसूचना में मांगा बारा टोल एजीएम का अपराधिक इतिहास

» आये दिन वाहन स्वामियों के होने वाली अभ्रदता से परेशान जनता है जनता

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर तहसील क्षेत्र स्थित बारा टोल प्लाजा पर आये दिन वाहन चालकों से मारपीट, अवैध कटौती जैसी घटनायें आम बात हो गयी है। बीते माह एक वाहन चालक से ट्रक ड्राइवर के साथ मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने पर टोल एजीएम मनोज शर्मा पर मुकदमा दर्ज हुआ था। लोगों समस्या को देखते हुये मुख्यमंत्री सम्मानित युवा अधिवक्त आयुष त्रिवेदी ने अब बारा टोल प्लाजा के एजीएम मनोज शर्मा का जनसूचना में आपराधिक इतिहास मांगा है।

बारा टोल प्लाजा एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आरटीआई के पत्र के साथ युवा अधिवक्ता आयुष त्रिवेदी

दर्ज मुकदमों में सप्ताह भर में पीड़ित को करना पड़ता है समझौता

कानपुर देहात। युवा अधिवक्ता आयुष त्रिवेदी ने बताया कि बारा टोल प्लाजा एजीएम मनोज शर्मा का समाज में भय का आलम यह है कि पिटाई होने के बाद भी चालक व वाहन मालिक कार्यवाही नहीं करना चाहते। अधिक मारपीट पर पीड़ित द्वारा बाकायदा चिकित्सीय परीक्षण के बाद इनके ऊपर मुकदमा दर्ज होता है किंतु इनके भय के चलते एक सप्ताह में पीड़ित को डरा धमकाकर समझौता करा लिया जाता है। पीड़ित को समझौते के लिये मजबूर कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि उन्होंने एजीएम की क्राइम हिस्ट्री मांगी है। आपराधिक विवरण मिलने पर दर्ज मुकदमों और पुलिस द्वारा फाइनल लगाये गये मुकदमों की जानकारी मिलने पर वह उच्चाधिकारियों से मिलकर एव न्यायालय के माध्यम से कार्यवाही की मांग करेंगे।

मुख्यमंत्री सम्मानित युवा अधिवक्ता आयुष त्रिवेदी ने बताया कि बारा टोल प्लाजा पर आये दिन मारपीट की घटनायें होती रहती हैं। टोल प्लाजा पर एजीएम मनोज शर्मा द्वारा करीब एक दर्जन कर्मचारियों को तैनात कर रखा गया है। वाहन क्रास करने में होने वाली परेशानी पर यदि चालक कुछ भी करता है तो वहां तैनात वह कर्मचारी उसके साथ अभद्रता करते है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि उन्हें जानकारी प्राप्त हुयी है कि मनोज शर्मा आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है।

इन पर जनपद में करीब एक दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज है। जिसके चलते टोल प्लाजा अपराध का अड्डा बनता जाता रहा है। बीते दिवस विभिन्न समाचार पत्रों व सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारियां प्राप्त हो रही है। बीते माह एजीएम मनोज शर्मा एवं अन्य टोलकर्मियों द्वारा बारा गांव निवासी ट्रक चालक फखरुद्दीन को मारने पीटने व जान से मारने की धमकी देने पर मनोज शर्मा पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। वाहन चालकों से अवैध कटौती, धमकाना तो आम बात हो गयी है। वहीं जिले के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी समाजसेवी बृजभूषण सिंह परिहार ने प्रधानमंत्री एवं प्राधिकरण के अधिकारियों से बारा टोल प्लाजा पर प्राधिकरण के समानान्तर साप्टवेयर का प्रयोग कर घोटाला किये किये जाने का आरोप लगा जांच की मांग की थी। उनके द्वारा जनसूचना अधिकार के अन्तर्गत बारा टोल प्लाजा के एजीएम मनोज शर्मा के विरुद्ध कानपुर देहात में दर्ज मुकदमों का इतिहास मांगा है।

बीजेपी जिला अध्यक्ष रेणुका सचान ने सीएम योगी से की भेंट

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा भारतीय जनता पार्टी महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था की है संगठन में महिलाओं को प्राथमिकता दिए जाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है हमें पूर्ण विश्वास है कि आप भाजपा की नीतियों और सिद्धांतों का पालन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत करेंगी और उत्तर प्रदेश में मा. प्रधानमंत्री जी के सुरक्षा एवं सुशासन के अभियान को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देंगे। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश सरकार के 8 साल पूर्ण होने पर विकास की योजनाओं को संगठन के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया जिला अध्यक्ष रेणुका सचान ने कहा मुख्यमंत्री से मिलकर मैं अभिभूत हूं मुख्यमंत्री जी ने जिला अध्यक्ष बनने पर बधाई प्रेषित की है।

सीएम को गुलदस्ता भेंट कर सम्मान किया

» रामजीलाल सुमन के द्वारा जो हमारे पूर्वज राणा सांगा के ऊपर गलत टिप्पणी की गई है यह बहुत ही निंदनीय है,सुमन को सर झुकाकर माफी मांगना चाहिए।

हमारे पूर्वजों पर टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी : आलोक सिंह परिहार

स्वराज इंडिया संवाददाता

माती/ सरवनखेडा। सपा सांसद रामजीलाल सुमन के द्वारा जो राणा सांगा को लेकर जो बयान दिया है। उसको लेकर जगह जगह विरोध प्रदर्शन हो रहा है। जिसको लेकर वरिष्ठ समाज सेवा आलोक सिंह परिहार के द्वारा कहा गया है की हमारे पूर्वजों के ऊपर गलत टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रामजीलाल सुमन माफी मांगे। राणा सांगा हमारी आन बान शान है। जिसको लेकर आलोक सिंह परिहार ने बताया कि, जिनकी पिछली चार पीढ़ियों में ना कोई फ़ौज में गया, ना किसी ने वर्दी पहनी, ना किसी ने मातृभूमि की रक्षा में तलवार उठाई, वे आज राष्ट्र रक्षा पर ज्ञान बांट रहे है इतिहास साक्षी है कि जब भी आक्रांताओं ने इस धरती पर अधिपत्य जमाने का प्रयास किया, तब-तब राजपूतों की तलवारें उनकी कब्र खोदने के लिए उठ खड़ी हुईं। ये वे योद्धा थे जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर भी अपनी मातृभूमि और मान-सम्मान की रक्षा की। परंतु जब रामजी लाल सुमन जैसे लोग महाराणा सांगा को गद्दार कहने की धृष्टता करते हैं, तो यह केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतीय शौर्य परंपरा का अपमान है। यह उन अनगिनत वीरों के बलिदान को झुठलाने का प्रयास है, जिन्होंने अपने रक्त से इस भूमि के स्वाभिमान की रक्षा की। अगर गद्दारी का अर्थ है मातृभूमि के लिए रणभूमि में शीश कटाना, पर झुकाना नहीं, तो फिर इतिहास में राजपूतों से बड़ा 'गद्दार' कोई नहीं हुआ। कुछ सज्जन कहते हैं कि राजपूतों ने युद्ध हारे, समझौते किए, पर मैं केवल एक प्रश्न पूछता हूँ , जब बलिदेवी युद्धभूमि में शीश माँग रही थी, तब अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर शीशदान करने वाले कौन थे। यदि हारना ही गद्दारी है, तो फिर वे कौन थे जिनके बलिदानों पर यह भारत आज भी खड़ा है। यदि संधियाँ करना अधर्म था, तो वे कौन थे जिन्होंने इन्हीं संधियों के पीछे भी अपने स्वाभिमान की रक्षा की?यदि राजपूतों को पराजित मानते हो, तो यह बताओ – मुग़ल सल्तनत के खात्मे तक भारत के हर युद्ध में सबसे आगे तलवार लेकर कौन खड़ा था। फिर भी ये गद्दार ही थे। क्योंकि इन्होंने सत्ता का सौदा नहीं किया, बल्कि सम्मान के लिए युद्ध लड़ा। क्योंकि इन्होंने प्राणों से अधिक अपनी प्रतिज्ञा को महत्व दिया।क्योंकि इन्होंने मरना स्वीकार किया, पर झुकना कभी नहीं सीखा। रामजी लाल सुमन जैसे लोग केवल एक व्यक्ति विशेष पर नहीं, बल्कि भारत की आत्मा पर प्रहार कर रहे हैं। यह मानसिकता केवल राजपूतों के इतिहास को कलंकित करने का नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति को विकृत करने का प्रयास है।

अवैध मेडिकल स्टोर पर छापेमार कार्रवाई, दवाइयां जब्त

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन गठित टीम जिसमें नायब तहसीलदार डेरापुर, औषधि निरीक्षक अजय कुमार संतोषी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुबोध कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेंद्र नाथ व वरिष्ठ सहायक हिमांशु वर्मा द्वारा स्थान गलुआपुर कानपुर देहात पर संचालित हॉस्पिटल बालाजी पर संयुक्त रूप से छापामार कार्रवाई की गई तथा औचक सघन निरीक्षण किया गया। मौके पर योगेंद्र कुमार उपस्थित पाए गए। निरीक्षण में मौके पर संचालित हॉस्पिटल में अवैध रूप से मेडिकल स्टोर संचालित पाया गया तथा मौके पर मेडिकल स्टोर में भण्डारित समस्त एलोपैथिक औषधियों को सीज कर औषधि निरीक्षक द्वारा अपनी अभिरक्षा में ले लिया गया है जिनका मूल्य लगभग 1,54,000 रुपए है । तत्पश्चात संदेह पर मेडिकल स्टोर में भंडारित एलोपैथिक औषधि के 02 नमूने जांच एवं विशेषण हेतु संग्रहित कर प्रयोगशाला प्रेषित किए गए हैं । रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात दोषी पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अग्रिम कार्रवाई की जायेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

कन्नौज में एडीजी और आईजी की कड़ी समीक्षा बैठक

नवरात्रि व ईद-उल-फितर पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस कर्मियों को दी हिदायत

» एडीजी आलोक सिंह ने कहा कि अमन में न पड़े खलल

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कन्नौज। अलविदा जुमा की नमाज,नवरात्रि व ईद-उल-फितर पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत रखते हुए कानपुर जोन के तेजतर्रार एडीजी आलोक सिंह एवं कानपुर रेंज के आईजी जोगेंद्र कुमार ने इत्र नगरी कन्नौज जनपद पहुंचकर आला अधिकारियों के साथ कोतवाली सदर क्षेत्र में मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में भारी पुलिस फोर्स के साथ पैदल मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित सभागार में अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया।बैठक में एडीजी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपसी सौहार्द बनाए रखने और सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए जाने के सख्त निर्देश दिए है।

उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में संवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर विशेष निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने भीड़भाड़ वाले स्थानों व बाजारों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने और त्यौहारों के दौरान सौहार्द बिगाड़ने एवं सोशल मीडिया पर जहर उगलने वाले अराजकतत्वों पर कड़ी नजर रखने एवं कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।एडीजी आलोक सिंह स्पष्ट शब्दों में कहा कि परम्परा से हटकर अगर कोई आयोजन होगा तो थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी नपेंगे। संवेदनशील और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी।सड़कों पर नमाज किसी सूरत में नहीं पढ़ी जाएगी।चैत्र नवरात्र तथा ईद के आयोजन जहां एक स्थान व एक समय पर आयोजित होना हो वहां आयोजकों से वार्ता कर पूर्व से योजना बनाकर समुचित पुलिस प्रबन्ध किया जाए।इस दौरान पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार,अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार व क्षेत्राधिकारी नगर कमलेश कुमार आदि अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे.

सरयू नदी में मिली प्राचीन शिव मूर्ति,चोरी की आशंका में जांच शुरू

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में सरयू नदी से एक मछुआरे को भगवान शिव की 14 किलो वजनी पीतल की प्राचीन मूर्ति मिली, जिसे पुलिस ने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।घटना शुक्रवार सुबह 11 बजे पौसरा गांव के पास हुई, जब मछुआरे राजकिशोर (पुत्र मेवालाल) ने मछली पकड़ने के लिए जाल डाला। जाल में भारी वस्तु फंसने पर जब बाहर निकाला गया, तो उसमें भगवान शिव की मूर्ति निकली। मूर्ति की ऊंचाई 23 इंच और चौड़ाई 14 इंच बताई जा रही है।मछुआरे ने मूर्ति मिलने की जानकारी अपने चचेरे भाई बिरजू और ग्राम प्रधान को दी, जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मूर्ति को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

चोरी की आशंका में जांच जारी

थानाध्यक्ष विजयंत मिश्रा ने बताया कि मूर्ति की प्राचीनता और वास्तविकता की पुष्टि के लिए इसे पुरातत्व विभाग भेजा जाएगा। पुलिस आसपास के जिलों से संपर्क कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं यह मूर्ति चोरी तो नहीं हुई है।

पुलिस का मानना है कि कई बार चोर मूर्तियों को चुराने के बाद पकड़े जाने के डर से नदी में फेंक देते हैं। इसी संदिग्ध परिस्थिति को देखते हुए पुलिस गहन जांच कर रही है। मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को भी दे दी गई है, और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी हुई है।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 73310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
- आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
- वेंटीलेटर, ए0वी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
- C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
- ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
- डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा

आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध

उपलब्ध सुविधाएं:- ए0बीजी0ए0 मशीन

1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;चण्प्ब्न्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.

डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर

विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

बाराबंकी में नष्ट हो रहा महाभारत कालीन पारिजात वृक्ष

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। महाभारत कालीन भारत की धरोहर विश्व प्रसिद्ध देव वृक्ष पारिजात की जड़ों में दीमक लगने की सम्भावना लग रही है।जब कि वन विभाग द्वारा प्रतिवर्ष वनस्पति वैज्ञानिक वृक्ष स्थल पर पंहुच कर वृक्ष की धुलाई एंव दवा के छिड़काव के साथ साथ वृक्ष स्थल पर नीचे जड़ों के चतुर्दिक गोडाई करवा कर वृक्ष की देख भाल के ट्रिप्स वन विभाग कर्मियों को भी दे जाते हैं।वन विभाग की उदासीनता के चलते वनस्पति वैज्ञानिकों के बताये के अनुसार देव वृक्ष पारिजात की देखभाल सही से नहीं की जा रही है।

पारिजात की जड़ों में दीमक लगने की सम्भावना जताई जा रही है

बताते चलें कि जिला मुख्यालय से 40 किलो मीटर दूर महाभारत कालीन देव वृक्ष पारिजात

सिरौलीगौसपुर तहसील के ग्राम बरोलिया में विद्यमान है।विश्व में प्रसिद्ध भारत की धरोहर पारिजात के मात्र दर्शन पूजन से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।देश के कोने कोने से एंव विदेशी पर्यटक भी देव वृक्ष पारिजात के दर्शन को आते हैं। विशालकाय इस देव वृक्ष पारिजात में गंगा दशहरा को स्वर्ण रुपी पुष्प आते हैं जिन्हें लोग यंहा से ले जाकर अपने पूंजा स्थल पर कपूर व लौंग में रखते हैं।महन्त मंगल दास जी देव वृक्ष पारिजात वृक्ष के उपचार हेतू आशान्वित हैं कि वनस्पति वैज्ञानिकों की टीम आकर पारिजात वृक्ष की धुलाई दवा छिड़काव कर उपचार करके भारत की धरोहर को संरक्षित करेगी।

गांव में शोपीस बनी टंकी, पानी के लिए भटक रहे ग्रामीण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। विकासखंड मासौली के याकूतगज मजरे तोगापुर जल जीवन मिशन के अंतर्गत बनी पेयजल टंकी बनने के बाद भी ग्रामीणों को नहीं मिल रहा पानी गांव-गांव की पेयजल समस्या खत्म करने को लेकर सरकार द्वारा करोड़ों रुपए की लागत से बनाई गई टंकी का निर्माण जल निगम के माध्यम से करवाया गया लेकिन उसका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल रहा है पानी टंकी पर महीनो से तकनीकी खराबी के चलते करीब आधा दर्जन गांव केग्रामीणों को पानी नहीं मिल रहा है, स्थानीय निवासी प्रदीप कुमार, संदीप कुमार, विपिन, पंडित, देवता दीन, ऐसे दर्जनों ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में बिछी पाइपलाइन कहीं-कहीं ऐसे खुली ही पड़ी हुई है, तो कही गड्ढे, ऐसे ही पड़े हुए हैं, जिससे रात के समय चल रहे जहांगीर व कई जानवर चोटिल हो चुके हैं करोड़ों रुपए की लागत से पानी टंकी का निर्माण सालों से अधूरा पड़ा हुआ है जिससे जल जीवन मिशन के कर्मचारी लापरवाही के चलते पानी का सप्लाई सुचारू रूप से नहीं शुरू हो पा रहा है,

ग्रामीणों को शुद्ध जल ना मिल पाने से ग्रामीण परेशान हैं ग्रामीणों में आक्रोश है कि जल्द से जल्द पानी टंकी पर तकनीकी खराब को तत्काल सही कराया जाये सुचारू रूप से पेयजल समय से घर-घर पहुंचा जाए ।

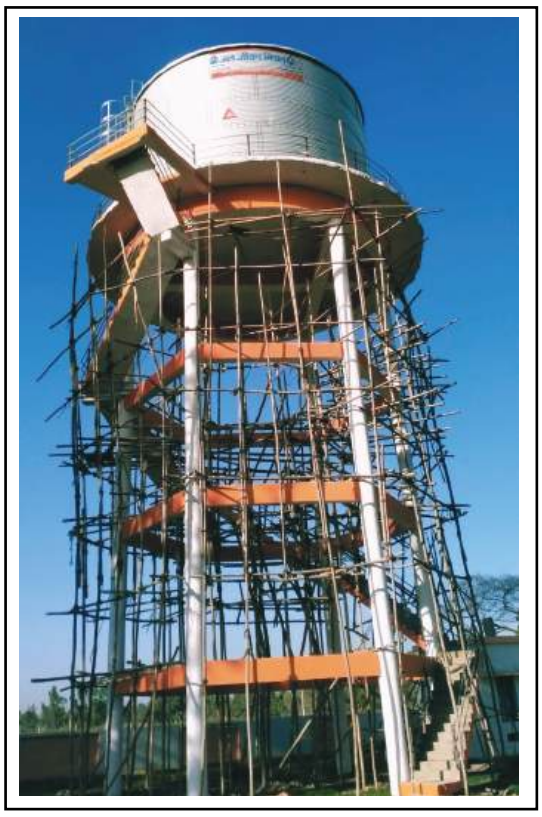

अयोध्या न सौ काशी न एक पिशाची

» शनिवार को भरतकुंड में पिशाची के मेले में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसमुद्र

» ब्रह्मा हत्या के पाप से मुक्त होने के लिए प्रभु श्रीराम ने किया था यहां स्नान

दूसरी किंवदंती है कि लंका विजय के बाद भगवान श्रीराम ब्रह्मा हत्या के पाप से मुक्त होने से लिए पिशाच मोचन कुंड में स्नान किया। इस कारण पिशाच मोचन कुंड की मान्यता है कि न सौ काशी न एक पिशाची।न सौ काशी न एक पिशाची

स्वराज इंडिया ब्यूरो चीफ

अयोध्या। अयोध्या न सौ काशी न एक पिचाशी। इन्हीं किंवदंतियों के बीच नंदीग्राम का एतिहासिक पिशाची मेला शनिवार को लगा। भरत की तपोभूमि से सटे नंदीग्राम नामक पवित्र स्थल पर स्थित पिशाच मोचन कुंड में लोग स्नान कर मंदिर में दर्शन के साथ पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।

श्रीरामनगरी में स्थित महान भ्रातृ भक्त योगिराज भरतजी की तपोस्थली नंदी ग्राम के समीप स्थित पिशाचमोचन कुण्ड पर परम्परागत पिचाशी का मेला शुक्रवार से शुरू हो गया है। विशाल सरोवर भरतकुण्ड के पूरब दिशा में स्थित पिशाच मोचन कुण्ड और भरतकुण्ड पर मेला का आयोजन किया गया। इस मेले में जिले के कोने-कोने से मेलार्थी एकत्रित होते हैं। आसपास के जिलों के श्रद्धालु भी मेले में स्नान व दर्शन-पूजन हेतु आते हैं।

पिशाच मोचन कुंड की महिमा

पिशाच मोचन कुंड की महिमा बड़ी निराली है। कहते हैं सौ बार काशी स्नान से जो पुण्य मिलता है उसकी पूर्ति पिशाच मोचन कुंड में एक बार ही स्नान करने से ही हो जाती है। भरत की तपोभूमि नंदीग्राम से सटे इस स्थान पर हर साल चैत्र कृष्ण चतुर्दशी को मेला लगता है। मान्यता है कि इस सरोवर में स्नान से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। श्रद्धालु स्नान के बाद भगवान के दर्शन, पिंडदान और गोदान करते हैं। पिशाची के बारे में दो तरह की किंवदंतिया हैं पहली यह कि लंका में युद्ध के दौरान जब मेघनाद के बाण से लक्ष्मण मूर्छित हो गए थे तो हनुमान जी को संजीवनी बूटी लाने भेजा गया था। बूटी की पहचान न होने के कारण वह पहाड़ उठाकर ही लंका की ओर चल पड़े। जब वे अयोध्या के ऊपर से जा रहे थे तो कुछ देर के लिए समूचे क्षेत्र में अंधकार छा गया। आसमान की ओर देखने पर किसी दानव शक्ति द्वारा अयोध्या पर आक्रमण किए जाने की आशंका में भरत जी ने बाण चला दिया। बाण लगने के कारण हनुमान जी पर्वत समेत गिर गए थे। पुजारी हनुमान दास कहते हैं कि जिस स्थान पर हनुमान जी गिरे थे वहां कुंड बन गया था। उसी को पिशाच मोचन कुंड के नाम से जाना जाता है।

कसम खाके भूल गेली वादा,काहे ले करिई तू प्यार....

युवक ने बीच सड़क पर भोजपुरी गाने पर डांस करते हुए बनाई रील

सड़क पर डांस करता युवक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। कोतवाली बदोसराय चौराहे पर एक युवक ने खतरनाक हरकत की। युवक ने बीच सड़क पर भोजपुरी गाने पर डांस करते हुए रील बनाई। चौराहे पर चारों तरफ से वाहनों की आवाजाही के बीच युवक बेफिक्र होकर डांस करता रहा।

उसे अपनी सुरक्षा की कोई चिंता नहीं थी। आस-पास से गुजर रहे वाहन चालक और राहगीर उसकी इस हरकत से डरे हुए थे। सोशल मीडिया पर लोकप्रियता पाने के लिए युवा इस तरह की खतरनाक गतिविधियां कर रहे हैं।

कुछ लोग डैम से कूदकर वीडियो बनाते हैं। कुछ चलती ट्रेन में लटककर रील बनाते हैं। कई युवा इस तरह अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। यह कोई पहली घटना नहीं है। सोशल मीडिया पर फेमस होने की चाह में लोग अक्सर खतरनाक स्टंट करते हैं। कुछ सीढ़ियों से गिरने का नाटक करते हैं। कुछ अन्य जान जोखिम में डालकर वीडियो बनाते हैं। इन सब घटनाओं से आने-जाने वाले लोग परेशान हो रहे हैं।

कन्नौज में वकीलों ने एसडीएम की गर्दन दबोची, बाल नोचे

जमकर किया प्रदर्शन, कई वकीलों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

» कन्नौज, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

यूपी के कन्नौज में छिबरामऊ तहसील में न्यायिक कार्य बंद कराने पहुंचे वकीलों ने गुरुवार को एसडीएम न्यायिक अविनाश कुमार गौतम से अभद्रता करते हुए हाथापाई कर दी। एसडीएम का आरोप है कि उन्होंने बगैर किसी लिखित प्रस्ता प्रस्ताव के न्यायालय स्थगित करने से इनकार किया तो उनकी पीछे से गर्दन दबोच ली गई और बाल भी नोचे और कोर्ट की पत्रावलियां भी छीनने का प्रयास किया गया। एसडीएम ने बार के महासचिव ललित प्रताप सिंह, शिवम शुक्ला को नामजद करते हुए अन्य वकीलों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

छिबरामऊ तहसील में न्यायिक एसडीएम अविनाश कुमार गौतम के अनुसार 27 मार्च की सुबह करीब 11 बजे वह न्यायालय में थे। तभी ललित प्रताप सिंह आए और सभी वकीलों वकीलों को न्यायिक कार्य करने से मना किया। उनसे भी कहा कि आज आपकी कोर्ट नहीं चलने देंगे। उन्होंने सरकार के राजस्व वादों के निस्तारण का हवाला देते हुए बगैर लिखित प्रस्ताव के न्यायालय स्थगित करने से इनकार कर दिया। इस पर ललित प्रताप ने कहा कि लिखित में कुछ नहीं देंगे। साथ ही अगली तारीख मांगने लगे। जब उन्होंने पेशकार को पुकार लगाने को कहा, तो ललित प्रताप भड़क गए और पेशकार पर चिल्लाने लगे।

एसडीएम के मुताबिक वह कुछ पत्रावलियों लेकर कोर्ट से बाहर आए तो ललित प्रताप सिंह व अन्य अधिवक्ता चिल्लाते हुए बाहर आ गए। इसके बाद उनका हाथ पकड़ा और ललित प्रताप ने पत्रावलियां छीनने का प्रयास किया। इसी बीच अधिवक्ता शिवम शुक्ला ने पीछे से गर्दन पकड़ ली और बाल भी खींचे। ललित प्रताप ने उन्हें जाति सूचक गालियां भी दीं।

हमें संस्थाओं के सम्मान को बचाना चाहिए: महाना

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने शनिवार को कहा कि हमें अपना नुकसान करके भी संस्थाओं के सम्मान को बचाना चाहिए। महाना ने यहां विधान भवन में शनिवार को अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे होने पर पत्रकारों से कहा कि संस्था का सम्मान बना रहेगा तो सभी का सम्मान बना रहेगा लेकिन अगर संस्था को क्षति पहुंची तो सभी नुकसान होगा।

सतीश महाना को 29 मार्च 2022 में सर्वसम्मति से विधानसभा अध्यक्ष चुना गया था। अध्यक्ष बनने के बाद महाना ने सदन में कई प्रमुख बदलाव किये। महाना ने विधानसभा को 'पेपरलेस' बनाने से लेकर सभी सदस्यों की सीट पर ही 'लैपटॉप' उपलब्ध कराने और भवन को आकर्षक बनाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महाना ने इन्हीं संदर्भों को लेकर कहा कि पिछले तीन वर्षों में इस भवन को ही नहीं बल्कि इसकी आत्मा को भी जगाने का कार्य किया है। उन्होंने पांच भाषाओं अवधी, भोजपुरी, ब्रज, बुंदेली और अंग्रेजी में विधानसभा सत्र की कार्यवाही शुरु किये जाने की भी जानकारी दी। महाना ने पत्रकारों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा के प्रति तीन वर्षों में आम जनता में जो धारणा बनी है वह बिना आप सबके सहयोग से संभव नहीं था।

उन्होंने अपने हाल के दिल्ली दौरे में लोकसभा अध्यक्ष, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री समेत अनेक नेताओं से मुलाकात पर चर्चा करते हुए बताया कि सबने उत्तर प्रदेश के विधानसभा के बदलते स्वरूप और विधायिका की चर्चा की। महाना ने कहा कि सपा, कांग्रेस के लोगों ने भी विधानसभा के बदलते स्वरूप की चर्चा की।

नवरात्रि मेले की सुरक्षा एटीएस के हाथ, ड्रोन से होगी निगरानी

तीन हजार से अधिक पुलिसकर्मी भी किए तैनात

» मिर्जापुर, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

विश्व प्रसिद्ध विंध्याचल नवरात्रि मेले की सुरक्षा व्यवस्था एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) के हवाले की गई है। नवरात्रि मेला रविवार भोर से शुरू होने जा रहा है। नौ दिन चलने वाले मेले के लिए सुरक्षा की मुकम्मल व्यवस्था की गई है। पूरा मेला सीसी कैमरे के जद में होगा। ड्रोन से भी निगरानी की जाएगी। मेला सुरक्षा में अर्धसैनिक बल के जवानों के साथ तीन हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। होमगार्ड, पीआरडी, यातायात पुलिस एवं फायर ब्रिगेड जवानों को भी लगाया गया है। आधुनिक उपकरणों से युक्त बम डिस्पोजल दस्ता एवं जल पुलिस के जवान मुस्तैद रहेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद गुरुवार को अधिकारियों के साथ चैत्र नवरात्रि मेले की तैयारियों की समीक्षा बैठक कर आदेश निर्देश दिए हैं। मां विन्ध्यवासिनी देवी के गर्भगृह में चरण छूने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह प्रतिबंध वीआईपी व्यक्तियों पर भी लागू किया गया है। साथ ही साथ पंडों, नाईयो और सफाईकर्मी के लिए डेस कोड में रहने के आदेश दिए गए हैं। दुकानदारों और वाहन स्टैंडो पर रेट लिस्ट लगाने के निर्देश दिए गए हैं। नौ दिन तक चलने वाले मेले सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

जगह-जगह लगाये गए बैरियर

जिला प्रशासन ने मेला की मुकम्मल व्यवस्था कर लेने का दावा किया है। नगर मजिस्ट्र वी के उपाध्याय को मेला अधिकारी बनाया गया है जबकि अपर जिला मजिस्ट्रेट एस पी शुक्ल सुपर मजिस्ट्रेट होगे। व्यवस्था के सम्बन्ध में जिलाधिकारी प्रिंयका निरंजन बताया कि पूरे मेला क्षेत्र को 10 जोन और 21 सेक्टरों में बाटा गया है। सभी जोनो में जोनल मजिस्ट्रेट और सेक्टर मजिस्ट्रेटो को तैनात किया गया है। मेला क्षेत्र में आवश्यकता से अधिक भीड़ एकत्र न हो सके इसके लिए जगह-जगह बैरियर लगाये गए हैं।

अतिसंवेदनशील स्थानों पर अतिसतकर्ता बरती जा रही

सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में जिला पुलिस प्रमुख सोमेन वर्मा ने बताया कि मेले में सिविल पुलिस के अलावा जल पुलिस यातायात घुड़सवार पुलिस के अलावा खुफिया एजेंसी के जवान भी है। किसी आपात स्थिति से निपटने के लिए अलग से व्यवस्था की गयी है। उन्होंने बताया कि इस बार सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से एटीएस के जवान मोर्चा संभालेंगे। यह टीम पूरे नवरात्रि मेला सुरक्षा व्यवस्था संभालेगी। उन्होंने बताया कि अतिसंवेदनशील स्थानों पर अतिसतकर्ता बरती जा रही है।

ईद पर सड़क किनारे नमाज पढ़ने वालों के लिए फरमान

मेरठ। उत्तर प्रदेश में ईद की नमाज से पहले प्रशासन शख्त नजर आ रही है। दरअसल, मेरठ की पुलिस ने सड़क पर नमाज पढ़ने को लेकर फरमान जारी कर दिया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अगर कोई सड़क पर नमाज पढ़ेगा तो उस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही उसका पासपोर्ट रद्द और ड्राइविंग लाइसेंस कर दिया जाएगा। यह निर्देश ईद-उल-फित्र और 28 मार्च को रमज़ान के आखिरी शुक्रवार की नमाज़ से पहले आया था।

मिली जानकारी के अनुसार, मेरठ के एसएसपी विपिन ताडा ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर रही हैं ताकि शांतिपूर्ण जश्न मनाया जा सके। सोशल मीडिया के जरिए अफवाह फैलाने या अशांति भड़काने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कड़ी नजर रख रहे हैं और सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने की किसी भी कोशिश से सख्ती से निपटा जाएगा। सभी संवेदनशील स्थानों पर वर्दीधारी और सादे कपड़ों में अधिकारी को तैनात किया जाएगा ताकि कोई अप्रिय दुर्घटना न हो।

मधुमक्खियों के हमले में कई राहगीर जखमी

दो घंटे तक ठप रहा आवागमन, धुएं से भगाईं मक्खियां

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ के निगोहां में आज शनिवार को मधुमक्खियों के हमले में आधा दर्जन से अधिक राहगीर जख्मी हो गए। लोगों को सड़क गिरता देख आसपास के लोगों ने धुंआ जलाकर मधुमक्खियों को भगाया और घायलों को निजी अस्पताल भेजा। करीब दो घंटे तक निगोहां- बेनीगंज मार्ग पर मधुमक्खियों की वजह से आवागमन ठप रहा।

प्रत्यक्षदार्शियों ने बताया कि निगोहां गांव जाने वाले मार्ग किनारे एक बरगद के पे? पर मधुमक्खी के छत्ते पर पंक्षी ने हमला कर दिया। जिससे बाद मधुमक्खियों के झुंड ने गैस गोदाम के पार तिराहे होते हुए गुजर रहे राहगीरों पर हमला बोल दिया।

यह देख आसपास के लोगों ने दौ?कर खरपतवार में आग लगाकर धुंआ किया और मधुमक्खियों को भगाया। इस दौरान करीब दो घंटे तक मार्ग प्रभावित रहा। मधुमक्खी के हमले में रामकुमार, शबाना, गुरु प्रसाद, साहिल, रेनू सैनानी, राजेन्द्र, दीपक आशाराम, इन्तिसार, रामू, नीरू सहित दर्जन भर से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि निगोहां कस्बे के सत्यनारायण इण्टर कालेज और बरगद के पेड़ में लगे मधुमक्खियों के छत्तों पर बाज के हमले के बाद मधुमखियों के हमले से छात्र छात्राओ सहित राहगीर अक्सर घायल हो जाते हैं। कई बार कालेज प्रशासन से भी छत्तों को हटवाने की गुहार लगाई जा चुकी है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

मेरठ में भी मचाया था आतंक

बीते 24-25 फरवरी को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में मधुमक्खियों के हमले में 25 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। जैसे-तैसे कंबल ओढ़ाकर और धुंआ कर छात्रों-अभिभावकों, कर्मचारियों को मधुमक्खियों के डंक से बचाया गया था। इससे पहले भी शुक्रवार शाम को भी मधुमक्खियों के झुंड ने हमला बोला था, जिसमें एक रिटायर्ड जेई धर्मवीर शर्मा की मौत हो गई थी और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

मधुमक्खियों के हमले से बचने के लिए मुख्य गेट के पास भगदड़ की स्थिति बन गई थी। घंटेभर तक चीख-पुखार, भागदौड़ चलती रही। विश्वविद्यालय प्रशासन ने वन विभाग की टीम बुलाई। क्षेत्रीय वन अधिकारी रविकांत के निर्देश पर पहुंची टीम ने फंसे छात्र-छात्राओं, अभिभावकों को कंबल ओढ़ाकर बाहर निकाला गया था।